

## **"अंगूर की गुणवत्ता और विपणन के मुद्दों" पर पैनल चर्चा**

"अंगूर की गुणवत्ता और विपणन के मुद्दों" पर पैनल चर्चा का आयोजन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ विटिकल्चर एंड एनोलॉजी तथा कृषि-व्यवसाय उद्भवन केंद्र, भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र पुणे द्वारा संयुक्त रूप से 09/06/2022 को किया गया। बागवानी और कृषि विभाग, महाराष्ट्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी; महाराष्ट्र राज्य द्रक्ष बगाईतदार संघ (एमआरडीबीएस), पुणे; भारतीय अंगूर निर्यात प्रार्थिकरण (जीईएआई); महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एमएसएमबी), भारतीय अंगूर उत्पादक संघ और महाराष्ट्र और कर्नाटक के प्रगतिशील अंगूर उत्पादकों ने भाग लिया। भाकृअनुप-राअंअनुके, पुणे के निदेशक डॉ आर जी सोमकुवर ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की उत्पत्ति के बारे में सदन को जानकारी दी। उन्होंने वर्तमान वर्ष में अनिश्चित बाजार और विशेष रूप से मई और जून के दौरान तोड़ी गई फसल में अंगूर की गुणवत्ता न होने के कारण कम मूल्य प्राप्ति पर प्रकाश डाला। डॉ कैलाश मोटे, निदेशक (बागवानी), महाराष्ट्र सरकार, ने अंगूर के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं पर जानकारी दी। उन्होंने निर्यात और क्लस्टर विकास के लिए भंडारण सुविधाओं में वृद्धि की आवश्यकता को व्यक्त किया। अंगूर उत्पादक श्री अभिषेक कांचन ने अंगूर की गुणवत्ता और विपणन चुनौतियों पर प्रकाश डाला। इसी तरह, श्री राहुल रसाल, अंगूर उत्पादक ने जलवायु परिवर्तन के कारण अंगूर में अजैविक तनाव प्रबंधन पर अपनी बात केंद्रित की। चूंकि भारत कुल अंगूर के उत्पादन का केवल 7-8% निर्यात कर रहा है और शेष की घरेलू बाजार में खपत हो रही है, इसलिए हमें घरेलू बाजार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिसका सुझाव एमआरडीबीएस के श्री कैलास भोसले ने दिया है। उन्होंने विभिन्न घरेलू बाजारों में मौसम विशिष्ट किस्म और गुणवत्ता आवश्यकताओं पर आंकड़े विकसित करने का सुझाव दिया। खुली चर्चा का समन्वय एमआरडीबीएस के अध्यक्ष श्री शिवाजी पवार ने किया। श्री अनिल म्हेर, श्री राजाराम सांगले, श्री सोपान कांचन, श्री अशोक गायकवाड़, श्री संजय बरगाले, श्री जगन्नाथ खापरे, श्री लांडगे, श्री झांबरे, श्री अरुण मोरे आदि ने चर्चा में बातचीत की। केन्द्र के वैज्ञानिकों डॉ ए के उपाध्याय, डॉ के बनर्जी, डॉ एस डी रामटेके, डॉ अजय कुमार शर्मा, डॉ सुजॉय साहा, डॉ निशांत देशमुख, डॉ प्रशांत निकुंभे, डॉ सोमनाथ होल्कर आदि ने भी विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की।

### **Panel discussion on "Quality and marketing issues of table grapes"**

Panel discussion on *"Quality and marketing issues of table grapes"* was jointly organized by Society for Advancement of Viticulture and Enology and Agri-Business Incubation (ABI) Centre of ICAR- National Research Centre for Grapes, Pune on 09/06/2022. Senior officials of Horticulture and Agriculture department, Government of Maharashtra; Maharashtra Rajya Draksh Bagayatdar Sangh (MRDBS), Pune; Grape Export Authority of India (GEAI); Maharashtra State Agricultural Marketing Board (MSAMB), Grape Grower Federation of India and progressive grape growers from Maharashtra and Karnataka were participated. Dr. R.G. Somkuwar, Director, ICAR-NRCG, Pune welcomed the guests and briefed the house about genesis of program. He highlighted the current year low price realization due to uncertain market and low grape quality, particularly crop harvested during May and June. Dr. Kailas Mote, Director (Horticulture), Govt of Maharashtra, updated on different schemes of government for grapes. He expressed the need for enhance storage facilities for export and cluster development. Grape grower Mr. Abhishek Kanchan highlighted the grape quality and marketing challenges. Similarly, Mr. Rahul Rasal, grape grower focuses his talk on abiotic stress management in grapes due to climatic change. As India is exporting only 7-8% of total grape produce and rest is consumed within domestic market, we must focus on domestic market, suggested by Mr. Kailas Bhosale of MRDBS. He suggested to develop data base on season specific variety and quality requirements in different domestic markets. Open discussion was coordinated by Mr Shivaji Pawar, President of MRDBS. Mr Anil Mher, Mr Rajaram Sangale, Mr Sopan Kanchan, Mr Ashok Gaikwad, Mr Sanjay Bargale, Mr Jagannath Khapare, Mr Landage, Mr Jhambare, Mr Arun More, etc. interacted in the discussion. Scientists of Centre namely Dr A K Upadhyay, Dr K Banerjee, Dr S D Ramteke, Dr Ajay Kumar Sharma, Dr Sujoy Saha, Dr Nishant Deshmukh, Dr Prashant Nikumbhe, Dr Somnath Holkar, etc. also interacted on various issues.



